रेल मंत्री के आगमन पर तैयारियों के नजारे

स्टेशन में कड़ी सुरक्षा, प्रतीक्षालय में किराए की कुर्सियां

केन्द्रीय रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी के आगमन पर बुधवार को रेलवे स्टेशन में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। आरपीएफ और जीआरपी के 50 से अधिक जवानों की तैनाती स्टेशन परिसर में की गई। डाग स्क्वॉड दिन भर स्टेशन में घूम-घूम कर समानों की चेकिंग करता रहा। राजधानी के स्टेशन को मॉडल स्टेशन का दर्जा दिया गया है लेकिन यहां यात्रियों को बैठने के लिए कुर्सी भी नसीब नहीं है। रेलवे की यह पोल खुलती नजर आई। स्टेशन के द्वितीय श्रेणी के प्रतीक्षालय में यात्रियों के बैठने के लिए आज किराए की प्लाटिक कुर्सियां लगाई गई। तस्वीर / छत्तीसगढ़

ठंड की विदाई के साथ बिजली की मांग बढ़ी

ट्रांसफार्मर का रखरखाव नहीं होने से खराब होने का खतरा

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 8 फरवरी। प्रदेश में ठंड की धीरे-धीरे विदाई के साथ बिजली की मांग बढ़ने लगी है। बताया जा रहा है कि एक-दो दिनों के भीतर ही मांग डेढ़ सौ से दो सौ मेगावाट तक बढ़ गया है। आने वाले दिनों में मांग और बढ़ने की संभावना है। लेकिन अभी तक ट्रांसफार्मरों में बढ़ते लोड को सहने की दिशा में काम शुरू नहीं किया गया जिससे मैदानी अधिकारियों में बेचैनी देखी जा रही है।

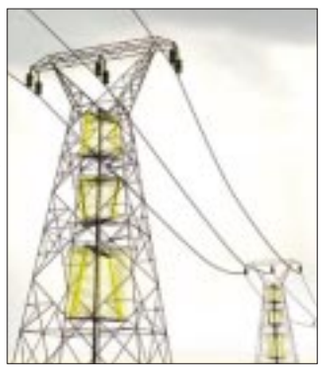

प्रदेश में इस साल पिछले वर्षों के मुकाबले कड़ाके की ठंड पड़ी थी अब धीरे-धीरे गर्मी का एहसास होने लगा है। ठंड के मौसम में बिजली की मांग 1800 से 2 हजार मेगावाट के बीच बनी हुई थी। एक दो दिनों में मांग बढ़कर 21 सौ से 22 सौ के आसपास पहुंच गई है। अप्रैल मई में डिमांड 28 सौ मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। जानकारों के मुताबिक गर्मी के शुरू होने से पहले ट्रांसफार्मरों और लाइनों में रखरखाव का काम किया जाता है। लोड बढ़ने के कारण आमतौर पर ट्रांसफार्मर फटने की शिकायत सामने आती है, जिससे सप्लाई में बाधा उत्पन्न होने की आशंका बनी रहती है।

राज्य बिजली कंपनी द्वारा अभी तक इस दिशा में कोई काम नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि इस बार गर्मी में पिछले वर्षों के मुकाबले अधिक लोड पड़ सकता है। हर साल प्रदेश में 4 से 5 हजार नए एसी का उपयोग बढ़ रहा है। इस स्थिति में ट्रांसफार्मर के खराब होने की संभावना अधिक रहती है। लिहाजा लोड बढ़ने से पहले ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाना आवश्यक होता है। मैदानी अफसरों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायत मिल रही है। इस संबंध में कंपनी के आला अफसरों को भी जानकारी दी गई है। अगर इस दिशा में जल्द कार्रवाई नहीं शुरू की गई तो गर्मी में समस्या बढ़ सकती है।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत, पहचान नहीं

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 8 फरवरी। भाटापारा स्टेशन के आगे बीती रात एक युवक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। मृतक के पास रायपुर से अनुपपुर तक का सुपरफास्ट ट्रेन का टिकट मिला है। अभी उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

भाटापारा रेलवे स्टेशन के आगे फाटक पर कल शाम एक युवक की लाश देखी गई। घटना की खबर मिलने पर भाटापारा ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची। बताया गया युवक की मौत ट्रेन से गिरकर हुई है, लेकिन बुधवार को दूसरे दिन भी उसकी पहचान नहीं हो पाई है। मृतक की जेब में रायपुर से अनुपपुर तक के दो टिकट मिले हैं। जिसमें एक टिकट 21 दिसंबर 2011 का है। मृतक के बाएं हाथ में गोदना से ऊँ बना हुआ है। गोदने से ही उसके हाथ में मोहन ऊँसिंह लिखा हुआ है। वह गुलाबी शर्ट और काई कलर का पैंट पहने हुए है। भाटापारा ग्रामीण पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। अनुपपुर पुलिस को भी घटना के बारे में जानकारी दी गई है।

चाकू के साथ दो गिरफ्तार

कोतवाली क्षेत्र में चाकू लेकर घूमने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया गया दीपक नायक और जगदीश कल रात चाकू दिखाकर लोगों को डरा-धमका रहे थे। तभी स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी खबर दी। दोनों युवकों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

अफसर-कर्मी 10 बजे से पहले पहुंच गए मंत्रालय

नए मुख्य सचिव के फरमान का असर

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 8 फरवरी। राज्य के नए मुख्य सचिव सुनील कुमार के फरमान के बाद मंत्रालय में सुबह 10 बजे से पहले ही चहल-पहल शुरू हो गई थी। अधिकारी-कर्मचारी नियत समय पर अपने दफ्तर में मौजूद रहे।

मुख्य सचिव के रूप में काम संभालने के बाद सुनील कुमार ने प्रमुख सचिवों और सचिवों की बैठक लेकर नियत समय पर दफ्तर पहुंचने की हिदायत दी थी। साथ ही कर्मचारियों की भी सुबह 10 बजे उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कहा था। उन्होंने यह भी कहा था कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। श्री कुमार के फरमान का असर बुधवार को देखने को मिला। प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारी सुबह 10 बजे मंत्रालय पहुंच गए थे। वे अफसर भी नियत समय पर पहुंच गए जो पहले कभी भी विशेष परिस्थितियों को छोड़कर 11 अथवा साढ़े 11 बजे से पहले मंत्रालय नहीं आते थे। खुद मुख्य सचिव सुबह पौने 10 बजे के आसपास मंत्रालय पहुंच गए थे।

मंत्रालय में इससे पहले 10 बजे से अधिकारी-कर्मचारियों की चहल-पहल पहले कभी नहीं देखी गई थी। आमतौर पर अधिकारी-कर्मचारी निर्धारित समय से एक घंटे विलंब अर्थात 11 बजे पहुंचने के आदी रहे हैं। कई अफसर चुनाव ड्यूटी में हैं अथवा छुट्टी में हैं। ऐसे अफसरों के स्टॉफ भी तय समय पर पहुंच गए थे। हालांकि केंद्रीय रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी भी मंत्रालय आए थे। उनके आगमन को लेकर भी चहल-पहल थी। कर्मचारियों के पास की चेकिंग भी होती रही। सुबह 11 बजे नए मुख्य सचिव ने बाढ़-आपदा प्रबंधन की बैठक भी ली। इसमें राहत आयुक्त और प्रमुख सचिव एम.के. राऊत सहित अन्य अफसर मौजूद थे।

ठंड की होती विदाई के साथ राजस्थान के मटके के कारोबारियों ने फुटपाथ किनारे डेरा डालना शुरू कर दिया है। 125 से लेकर 200 रुपए तक के बेल बूटों वाले नल वाले मटके ग्राहकों द्वारा खासे पसंद किए जा रहे हैं। तस्वीर छत्तीसगढ़

रेल्वे भर्ती में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता की रेल मंत्री से मांग

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 8 फरवरी। केंद्रीय रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी को प्रदेश में रेल सुविधाओं में बढ़ोत्तरी को लेकर ढेरों ज्ञापन सौंपे गए हैं। इसमें तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर स्थानीय लोगों की भर्ती को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया है।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल के निवास में रेल मंत्री को ज्ञापन देने नेताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। ज्ञापन देने वालों में खेल संगठन, मुस्लिम समाज और अन्य लोग शामिल थे। पूर्व जनपद सदस्य चंद्रशेखर शुक्ला ने रेल मंत्री को दिए ज्ञापन में कहा कि ग्रुप सी और डी (गैंगमेन, कुली, पोर्टर और अन्य) पदों पर नियुक्ति में स्थानीय लोगों की भर्ती को प्राथमिकता देने की मांग की गई। इसके अलावा 50 लाख रुपए तक के रेलवे ठेके पर प्रदेश के निवासियों को प्राथमिकता दिए जाने का आग्रह किया गया। साथ ही टेकारी ओवरब्रिज को शीघ्र पूरा करने की मांग की गई।

कांग्रेस नेताओं ने खिलाड़ियों को ट्रेन शुरू करने की मांग की गई। छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने भी रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी को ज्ञापन सौंपा है। इसमें यह कहा गया कि पिछले पांच सालों में

त्रिवेदी को ज्ञापन देने होड़

तत्काल रिजर्वेशन और अजमेर शरीफ व अन्य धार्मिक स्थलों के लिए सीधी माल ढुलाई से छत्तीसगढ़ से करीब 42 हजार करोड़ रुपए की आय हुई है। उन्होंने कहा कि पूरे देश के 17 रेलवे जोनों में से सबसे अधिक आय बिलासपुर जोन से हो रही है। सबसे ज्यादा कमाई के बावजूद रेल विकास की दिशा में कोई ठोस काम यहां नहीं हुए हैं। ज्ञापन में मांग की गई है कि छत्तीसगढ़ में रेल कारखाना खोला जाए। इसके अलावा बस्तर-सरगुजा जिले में रेल लाइन बिछाने की योजना जल्द से जल्द तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि बस्तर-सरगुजा जैसे प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों-वनांचलों में रेल लाइन बिछाने की योजना जल्द से जल्द तैयार की जाए। प्रदेश के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए रेलवे खेल कोटा में वृद्धि की जाए। कोरबा से नई रेल गाड़ियां शुरू की जाए। ज्ञापन देने वालों में समिति के अध्यक्ष विश्वजीत मित्रा सहित अन्य पदाधिकारी थे।

रायपुर 8 फरवरी। राज्यपाल शेखर दत्त ने लोकसभा सांसद राजनांदगांव क्षेत्र मधुसूदन यादव के पिता दुर्गा प्रसाद यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

गुप्त रोग सेक्स

लिंक वर्धक यंत्र एवं एक्यूपंचर मशीन से जांच इलाज

ज्यादा हस्त मैथुन, अति संभोग, उम्र की अधिकता में लिंग के नसों में आई कमजोरी, सेक्स की कमी, लिंग छोटा, शीघ्रपतन, वीर्य पतलापन, पेशाब में जलन, शादी करने के नाम से डर लगना.

नोट :- बिना ऑपरेशन के हाईड्रोसिल, बवासीर, भगंदर इलाज किया जाता है.

हीरा क्लीनिक

डॉ. हीरा

पता : गोपाल किराना स्टोर के पास, उरला रोड, दुर्ग व मां चंडिका मंदिर के पास, चंडी चौक, दुर्ग

मो. 082691-86325

कुपोषण मुक्ति के लिए 10 मार्च से विशेष सर्वेक्षण

रायपुर, 8 फरवरी। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा प्रदेश में कुपोषण मुक्ति के लिए घोषित 'नवा जतन' योजना के क्रियान्वयन की तैयारी महिला और बाल विकास विभाग ने शुरू कर दी है। विभाग द्वारा अगले माह की दस तारीख से बीस तारीख तक प्रदेश भर में कुपोषित बच्चों को चिन्हांकित करने के लिए विशेष सर्वेक्षण अभियान चलाया जाएगा।

नवा जतन योजना

यह जानकारी महिला और बाल विकास विभाग द्वारा 'नवा जतन' योजना के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में दी गई। कार्यशाला में रायपुर संभाग के जिला कलेक्टरों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों को योजना के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया गया। कार्यशाला को महिला और बाल विकास मंत्री सुश्री लता उसेण्डी ने भी सम्बोधित किया। कार्यशाला में जानकारी दी गई कि सर्वेक्षण के बाद नये वित्तीय वर्ष 2012-13 के शुभारंभ के साथ ही एक अप्रैल 2012 से 30 सितम्बर 2012 तक योजना का क्रियान्वयन आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से किया जाएगा, जहां कम वजन वाले सभी कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य के प्रबंधन के लिए विशेष प्रयास करते हुए उनके स्वास्थ्य को छह महीने की इस अवधि में बेहतर बनाया जाएगा। अगले माह शुरू होने वाले सर्वेक्षण में आंगनबाड़ी केन्द्रों की कार्यकर्ताओं सहित स्थानीय ग्राम पंचायतों, महिला स्व-सहायता समूहों और समाज सेवी संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाएगा।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री लता उसेंडी ने इस योजना के उददेश्यों पर प्रकाश डाला।

फौलादी संकल्प के साथ जोशीला कदमताल

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 8 फरवरी। फौलादी संकल्प और जोशीले कदमताल से एक ओर जहां एनसीसी कैडरों ने छत्तीसगढ़ की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है वहीं एनसीसी की छोटे गांवों में मजबूत पकड़ भी बनाई है। थल सेना कैंप में मैप रीडिंग में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली अभनपुर के निकट झांकी गांव की कंचन डिग्रे पर आज पूरा गांव मान करता है। फौज में जाने का सपना संजोने वाली कंचन ने बताया कि स्कूली दौर में उसे एनसीसी की जानकारी नहीं थी पढ़ाई के सिलसिले में रायपुर आने पर उसे एनसीसी के बारे में जानकारी मिली। पुलिस बनने की हसरत रखने के कारण उसने एनसीसी ज्वाइन किया। अच्छे प्रदर्शन की वजह से कैंप में शामिल होने का उसे मौका मिला। लेकिन शुरू-शुरू में घर वालों ने उसके कैंप में शामिल होने का विरोध किया। बाद में कंचन के संकल्प के कारण घर वालों ने कैंप जाने के लिए उसे अनुमति दे दी।

कैंप दर कैंप करते हुए डिग्री कॉलेज के कंचन को दिल्ली में आयोजित थल सेना कैंप में शामिल होने का मौका मिला और कंचन मैप रीडिंग में स्वर्ण पदक पाने में सफल भी रही गांव की पहली एनसीसी कैडर कंचन कहती है एनसीसी की यूनिफार्म में देखकर पुलिस समझकर गांव के कई लोग सहम जाते हैं। मेरी उपलब्धि से एनसीसी के बारे गांव वालों को जानकारी मिली है। आने वाले दिनों में मैं उम्मीद करती हूं कि मेरे गांव की और लड़कियां एनसीसी में शामिल होंगी।

थल सेना कैंप में मैप रीडिंग में स्वर्ण पदक प्राप्त कैडर डिग्री कॉलेज के रागिनी ने बताया की एक पहाड़ी पर छोड़ दिया गया था। उस स्पर्धा में मप्र और छग के 6 कैडर शामिल थे। सर्विस प्रोटेक्टर कम्पास और फौजी नक्शे की मदद से उन्हें मैप पर उस स्थान को चिन्हित करना था जहां वो खड़े थे।

मानचित्र में सही स्थान चिन्हित करने के लिए उन्हें स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। फौज में जाने की तमन्ना रखने वाली रागिनी कहती है थल सेना कैंप में बिताया गया समय हम कभी नहीं भूल सकते हैं। वर्तमान में फौज में लड़कियों को परमानेंट कमीशन और सैनिक भर्ती की मांग की जा रही है। भविष्य में इसका फायदा लड़कियों को मिल सकेगा।

रात डेढ़ बजे से सुरक्षा जांच से गुजरकर परेड की कवायद और दिल्ली की सिहरा देने वाली ठंड को याद करते हुए गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होकर हाल में लौटी रमा वर्मा कहती हैं लाइन एरिया की साज सज्जा, कैमरे से की जा रही कैडरों की निगरानी, गेरु चूने से की जाने वाली पुताई राजपथ की परेड को मैं कभी नहीं भूला सकती हूं। मप्र, छग से कुलन 8 लड़कियों और 10 लड़कों का गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयन हुआ था। अनुशासित दिनचर्या और कड़े नियमों के बावजूद हम सभी कैडरों ने कैंप का भरपूर आनंद उठाया। राष्ट्रपति को दी जाने वाली सलामी, प्रधानमंत्री अवास में एट होम सभी कुछ यादगार रहा।

यूथ एक्सचेंज के तहत वियतनाम जाने का अवसर पाने वाली डिग्री कॉलेज की सीनियर ऑफिसर ऋचा वैद्य कहती हैं देश के चुने गए 13 कैडरों में मैं शामिल हूं ये मेरे लिए गर्व की बात है। यहां तक पहुंचने के लिए गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने के अलावा मैंने लिखित और इंटरव्यू का सामना किया था। इंटरव्यू के तीन चरण में बिग्रेडियर, मेजर जनरल और लेफ्टिनेंट जनरल से मेरा सामना हुआ। 14 फरवरी से 10 मार्च तक वियतनाम में देश के चुने हुए कैडरों के साथ समय बिताना निश्चित ही यादगार रहेगा।